



बिहार गजट

असाधारण अंक

बिहार सरकार द्वारा प्रकाशित

1 आषाढ़ 1939 (श०)

(सं० पटना 526) पटना, वृहस्पतिवार, 22 जून 2017

सामान्य प्रशासन विभाग

अधिसूचना

1 जून 2017

सं० 2/आरोप-01-14/2014-6590-सा०प्र०—श्री जय प्रकाश मंडल (बि०प्र०से०), कोटि क्रमांक 503/11, तत्कालीन उप विकास आयुक्त-सह-मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी, जिला परिषद्, पूर्णियाँ सम्प्रति विशेष सचिव, नगर विकास एवं आवास विभाग, बिहार, पटना के विरुद्ध जिला पदाधिकारी, पूर्णियाँ के पत्रांक 2231 दिनांक 17.07.2014 द्वारा आरोप-पत्र प्रपत्र 'क' साक्ष्य सहित प्राप्त हुआ। उक्त आरोप-पत्र में तेरहवें वित्त आयोग की अनुशंसा से प्राप्त होने वाली राशि से आधार भूत संरचना में किये गये क्रय में वित्तीय अनियमितता बरतने, आंगनबाड़ी केन्द्र के भवनों के निर्माण में विभागीय दिशा-निर्देश का उल्लंघन करने, बी०आर०जी०एफ० क्षमतावर्द्धन मद में कार्यालय सामग्रियों की आपूर्ति में अनियमितता बरतने आदि का आरोप प्रतिवेदित है।

2. विभागीय पत्रांक 11549 दिनांक 21.08.2014 द्वारा स्पष्टीकरण की मांग किये जाने पर श्री मंडल द्वारा स्पष्टीकरण दिनांक 24.09.2014 समर्पित किया गया। श्री मंडल के स्पष्टीकरण पर विभागीय पत्रांक 14372 दिनांक 17.10.2014 द्वारा मंतव्य की मांग किये जाने पर जिला पदाधिकारी, पूर्णियाँ के पत्रांक 2419 दिनांक 31.12.2014 द्वारा प्राप्त मंतव्य में प्रतिवेदित किया गया कि श्री मंडल का स्पष्टीकरण संतोषप्रद नहीं है।

प्रासंगिक आरोप, श्री मंडल के स्पष्टीकरण एवं जिला पदाधिकारी, पूर्णियाँ के मंतव्य पर सम्यक विचारोपरान्त विभागीय संकल्प ज्ञापांक 4112 दिनांक 17.03.2015 द्वारा श्री मंडल के विरुद्ध विभागीय कार्यवाही संचालित की गयी तथा आयुक्त, पूर्णियाँ प्रमंडल, पूर्णियाँ को संचालन पदाधिकारी नियुक्त किया गया।

3. आयुक्त, पूर्णियाँ प्रमंडल, पूर्णियाँ के पत्रांक 1687 दिनांक 20.04.2016 द्वारा श्री मंडल के विरुद्ध संचालित विभागीय कार्यवाही का जाँच प्रतिवेदन प्राप्त हुआ, जिसमें सभी आरोप अप्रमाणित प्रतिवेदित किये गये।

4. अनुशासनिक प्राधिकार के निर्णयानुसार जाँच प्रतिवेदन के निष्कर्ष से असहमति के बिन्दुओं पर विभागीय पत्रांक 8436 दिनांक 13.06.2016 द्वारा श्री मंडल से अभ्यावेदन की मांग की गयी। उक्त निदेश के आलोक में श्री मंडल द्वारा अभ्यावेदन दिनांक 14.07.2016 समर्पित किया गया।

श्री मंडल द्वारा अपने उपर्युक्त अभ्यावेदन में असहमति के बिन्दु—(i) के संबंध में कहा गया है कि पंचायती राज विभाग के पत्रांक 01 दिनांक 31.05.2011 की कंडिका-6(ii) एवं (iii) में आंगनबाड़ी केन्द्र के भवन निर्माण के साथ-साथ उचित मानव संसाधन एवं आधारभूत संरचना मद में भी व्यय करने का निदेश दिया गया था तथा उक्त पत्र में ऐसा कोई निदेश नहीं था कि इसके लिए अलग से सक्षम प्राधिकार/सरकार की सहमति प्राप्त की जाय। अतः विभागीय पत्र में वर्णित उक्त निदेश के आलोक में ही उनके द्वारा आदेश ज्ञापांक 536/जि0प0 दिनांक 23.08.2011 निर्गत किया गया था। असहमति के बिन्दु—(ii) के संबंध में उनका कहना है कि बिहार वित्त नियमावली के नियम 131(झ) एवं वित्त विभाग द्वारा समय-समय पर निर्गत दिशा-निर्देश के आलोक में सामग्रियों के क्रय हेतु निविदा निकाली गयी थी और दर का निर्धारण उनके द्वारा नहीं, बल्कि क्रय समिति द्वारा विज्ञापित निविदा के आधार पर सबसे कम दर वाले फर्म का चयन कर किया गया था। किसी भी वस्तु का दर उसकी साइज, प्रकृति, गुणवत्ता आदि के अनुसार भिन्न-भिन्न होती है। मेसर्स भोपालिका ट्रेडिंग एजेन्सी जो आलमीरा, कुर्सी, टेबुल की आपूर्ति की गयी है, उसकी साइज, प्रकृति, गुणवत्ता भिन्न / कम होने के कारण उसका दर कम हो सकता है। जहाँ तक गोदरेज कम्पनी द्वारा निर्मित आलमीरा, कुर्सी, टेबुल आदि का DGS & D के द्वारा मानक दर निर्धारित होने का प्रश्न है, इस संबंध में गोदरेज कम्पनी के **wholesale Dealer M/s Bharat Commercial Agency** से प्राप्त पत्र की छायाप्रति संलग्न है, जिसके अवलोकन से ज्ञात होता है कि मई, 2011 में जिस समय निविदा के माध्यम से क्रय समिति द्वारा दर का निर्धारण किया गया था, उस समय गोदरेज कम्पनी द्वारा निर्मित आलमीरा, कुर्सी, टेबुल आदि का DGS & D के द्वारा मानक दर निर्धारित नहीं था। असहमति के बिन्दु—(iii) के संबंध में उनके द्वारा कहा गया है कि आपूर्तिकर्ता का फर्म **M/Bimlesh Kumar Das, Line Bazar, Ward No. 15, Purnea** के नाम से पंजीकृत है और इसीलिए प्रासंगिक आदेश में श्री बिमलेश कुमार दास, आपूर्तिकर्ता अंकित किया गया है। इसमें श्री बिमलेश कुमार दास के स्थान पर मेसर्स बिमलेश कुमार दास अंकित होना चाहिए था, जिसे तकनीकी भूल कहा जा सकता है तथा इसके पीछे उनकी आपूर्तिकर्ता को लाभ पहुंचाने की कोई मंशा नहीं थी। उक्त आधार पर श्री मंडल द्वारा दोषमुक्त करने का अनुरोध किया गया।

5. प्रतिवेदित आरोप, संचालन पदाधिकारी द्वारा जाँच प्रतिवेदन में प्रतिवेदित निष्कर्ष से निर्धारित असहमति के बिन्दुओं एवं श्री मंडल द्वारा समर्पित अभ्यावेदन की समीक्षा के उपरान्त पाया गया कि श्री मंडल द्वारा स्वयं स्वीकार किया गया है कि बी0आर0जी0एफ0 के क्षमतावर्धन मद की राशि से सामग्री की आपूर्ति करने हेतु ज्ञापांक 209/जि0प0 दिनांक 28.03.2011 द्वारा निर्गत आदेश में गोदरेज आलमीरा के स्थान पर गोदराज आलमीरा टंकण भूल के कारण अंकित हो गया है। वास्तव में आपूर्तिकर्ता द्वारा गोदरेज आलमीरा, कुर्सी, टेबुल, रैक आदि की ही आपूर्ति की गयी। गोदरेज कम्पनी एक मान्यता प्राप्त कम्पनी है। आरोप-पत्र के साथ संलग्न साक्ष्य से स्पष्ट है कि पूर्णियाँ जिला मुख्यालय में भी गोदरेज कम्पनी का अधिकृत विक्रेता मेसर्स भोपालिका ट्रेडिंग एजेन्सी है। गोदरेज कम्पनी के उपस्कर का क्रय करने हेतु दर निर्धारण के लिए गोदरेज कम्पनी अथवा उनके अधिकृत विक्रेता से भी श्री मंडल के द्वारा, क्रय किये जानेवाले सामग्रियों का दर प्राप्त कर मेसर्स बिमलेश कुमार दास के द्वारा दिये गये दर से तुलना कर लेना चाहिए था। गोदरेज कम्पनी के अधिकृत विक्रेता के द्वारा दिये गये दर से कम दर रहने की स्थिति में ही विधिसम्मत प्रक्रिया अपनाते हुए मेसर्स बिमलेश कुमार दास द्वारा दिये गये दर को अनुमोदित करना चाहिए था, जो श्री मंडल के द्वारा नहीं किया गया है। इस बिन्दु पर श्री मंडल से चूक हुई है। आपूर्तिकर्ता फर्म के द्वारा समर्पित विपत्रों एवं अन्य दस्तावेजों से स्पष्ट होता है कि उक्त फर्म का नाम मेसर्स बिमलेश कुमार दास है, अतः श्री मंडल द्वारा निर्गत आदेश में मेसर्स नहीं अंकित किया जाना तकनीकी भूल माना जा सकता है, लेकिन श्री मंडल के द्वारा उप विकास आयुक्त-सह-कार्यपालक पदाधिकारी, जिला परिषद्, पूर्णियाँ की हैसियत से निर्गत ज्ञापांक 536 दिनांक 23.08.2011 में आपूर्तिकर्ता के फर्म का नाम नहीं दिया जाना चाहिए था। इस स्तर पर भी श्री मंडल से चूक हुई है।

6. वर्णित तथ्यों के आलोक में अनुशासनिक प्राधिकार द्वारा श्री मंडल के अभ्यावेदन को अस्वीकृत करते हुए बिहार सरकारी सेवक (वर्गीकरण, नियंत्रण एवं अपील) नियमावली के संगत प्रावधानों के तहत श्री मंडल के विरुद्ध “निन्दन” (वर्ष 2011-12) एवं संचयात्मक प्रभाव से 02 (दो) वेतनवृद्धि पर रोक” का दण्ड अधिरोपित करने का विनिश्चय किया गया है।

7. विभागीय पत्रांक 15453 दिनांक 17.11.2016 द्वारा बिहार लोक सेवा आयोग, पटना से श्री मंडल के विरुद्ध विनिश्चित उपर्युक्त वृहत दण्ड प्रस्ताव पर सहमति/परामर्श की मांग की गई। आयोग के पत्रांक 103 दिनांक 21.04.2017 द्वारा अनुशासनिक प्राधिकार द्वारा विनिश्चित दण्ड प्रस्ताव पर सहमति व्यक्त की गयी।

8. अनुशासनिक प्राधिकार द्वारा विनिश्चित दण्ड प्रस्ताव पर बिहार लोक सेवा आयोग से प्राप्त सहमति के आलोक में श्री जय प्रकाश मंडल (बि0प्र0से0), कोटि क्रमांक 503/11, तत्कालीन उप विकास आयुक्त-सह-मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी, जिला परिषद्, पूर्णियाँ सम्प्रति विशेष सचिव, नगर विकास एवं आवास विभाग, बिहार, पटना के विरुद्ध बिहार सरकारी सेवक (वर्गीकरण, नियंत्रण एवं अपील) नियमावली, 2005 के नियम 14 के संगत प्रावधान के तहत “निन्दन” (वर्ष 2011-12) एवं संचयात्मक प्रभाव से 02 (दो) वेतनवृद्धि पर रोक” का दण्ड दिया एवं संसूचित किया जाता है।

आदेश :- आदेश दिया जाता है कि इस संकल्प की प्रति बिहार राजपत्र के अगले असाधारण अंक में प्रकाशित किया जाय तथा इसकी प्रति सभी संबंधितों को सूचना एवं आवश्यक कार्रवाई के लिए भेज दी जाय।

बिहार-राज्यपाल के आदेश से,
भीम प्रसाद,
सरकार के संयुक्त सचिव।

अधीक्षक, सचिवालय मुद्रणालय,
बिहार, पटना द्वारा प्रकाशित एवं मुद्रित,
बिहार गजट (असाधारण) 526-571+10-डी0टी0पी0।
Website: <http://egazette.bih.nic.in>